डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 225 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 01 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

सड़क हादसे में महिला की मौत, परिजनों ने किया चक्काजाम

मनासा, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। सड़क हादसे में घायल महिला की मौत के बाद परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया। शुक्रवार शाम को मनासा थाना क्षेत्र के प्रतापपुरा गांव में 407 ट्रक चालक ने मंजू ओढ़ को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल मंजू को पहले मनासा शासकीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें नीमच के बड़े अस्पताल रेफर किया गया। जहां से उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान रात में उनकी मौत हो गई।

शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने प्रतापपुरा के मुख्य सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। उनकी मांग थी कि ट्रक चालक पर कड़ी कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। लगभग तीन घंटे तक चला चक्काजाम ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। मनासा थाना प्रभारी शिव रघुवंशी के अनुसार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और वाहन को जब्त कर थाने में रखा गया है।

दो बाइक की भिड़ंत, चार घायल, तीन गंभीर

मनासा, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे दो बाइक चालको की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसा मनासा-मंदसौर मार्ग पर शेषपुर फंटे के पास हुआ। इस हादसे में बाइक सवार चार युवक घायल हो गए। सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मनासा थाना पुलिस के मुताबिक घायलों में अजय (26) निवासी अनुपपुरा झारड़ा, फूलचंद (30) निवासी बंजारी कंजार्डा और कमलेश (40) निवासी बांगरेड को सिर और शरीर में चोटें लगी हैं। चौथे घायल नरसिंह (26) निवासी बंजारी को मामूली चोटें आई। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल तीन युवकों को नीमच के बड़े अस्पताल रेफर किया गया। जबकि, नरसिंह का इलाज मनासा अस्पताल में जारी है। मनासा थाना प्रभारी शिव रघुवंशी ने बताया कि दोनों घटना दु:खद है। मामले में घायलों के बयान लिए है। बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगे।

एक करोड़ से तो कोसों दूर हमारे विधायक...!

✻ मोदी ने तीन माह पहले पूछा था एक करोड़ फॉलोअर्स किसके? ✻ जगदीश देवड़ा सबसे आगे, चंदरसिंह सिसौदिया सबसे पीछे

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। बताइए किस विधायक के सोशल मीडिया पर 01 करोड़ फॉलोअर्स हैं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल 24 फरवरी को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्यप्रदेश के विधायक-सांसद और बीजेपी पदाधिकारियों से ये सवाल किया था। उस वक्त किसी भी नेता ने इसका जवाब नहीं दिया था। पीएम मोदी यदि आज भी बीजेपी के विधायक और मंत्रियों से ये सवाल पूछेंगे तो कोई भी जवाब नहीं दे सकेगा। दरअसल, बीजेपी के मंत्री और विधायकों में किसी के भी 01 करोड़ फॉलोअर्स है ही नहीं। अब बात करें मंदसौर की तो जिले की चारों विधानसभा के विधायकों को मिलाकर भी यह आंकड़ा दो लाख के आसपास ही ठहरता है। हालांकि इसमें एक विधायक कांग्रेस का है।

मतलब नरेंद्र मोदी की अपेक्षाओं के लिहाज से मंदसौर जिले के विधायकों की सोशल मीडिया पर पकड़ कहीं न कहीं कमजोर है। मंदसौर जिले की चारों विधानसभा की बात करें तो वर्तमान में फेसबुक, ट्वीटर और इंस्टाग्राम में से फेसबुक का उपयोग करने वालों की संख्या ज्यादा है। फेसबुक के लिहाज से विधायकों के फालोअर्स की बात करें तो फॉलोअर्स के मामले में सबसे आगे मल्हारगढ़ विधायक और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा है। वहीं गरोठ विधायक चंदरसिंह सिसौदिया फेसबुक या सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से ज्यादा जुड़ते नजर नहीं आ रहे।

किसके कितने फॉलोअर्स...

जिले की चारों विस के विधायकों की बात करें तो फेसबुक पर सबसे ज्यादा एक लाख तेईस हजार फॉलोअर्स मल्हारगढ़ विधायक जगदीश देवड़ा के हैं। विधानसभा चुनाव के पहले मंत्री रहते हुए सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग सोशल मीडिया पर खासे एक्टिव नजर आते थे। लेकिन, मंत्री पद जाने के बाद उनके फॉलोअर्स की संख्या थम सी गई। हालांकि अभी भी उनके फेसबुक फालोअर्स का आंकड़ा एक लाख दस हजार है। अब बात करें मंदसौर विधायक विपीन जैन की तो वे सोशल मीडिया पर खासे एक्टिव होकर लोगों से अधिक से अधिक जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनके फॉलोअर्स की बात करें तो संख्या महज नौ हजार के करीब ही है। वहीं सबसे पिछे है गरोठ विधायक चंदरसिंह सिसौदिया। चंदरसिंह सिसौदिया सोशल मीडिया पर अन्य विधायकों की तुलना में सबसे कम एक्टिव नजर आते हैं। शायद यही कारण है कि सोशल मीडिया के माध्यम से वह लोगों से नहीं जुड़ पाए। उनके फेसबुक फॉलोअर्स की संख्या सबसे कम है।

लाईक और कमेंटस देखकर लगता इग्नोर कर रहे लोग...

एक समाजसेवी या व्यवहार कुशल व्यक्ति फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कोई पोस्ट करता है तो लाईक और कमेंटस की संख्या आसानी से पांच सौ तक तो पहुंच ही जाती है। वाजिब है कि विधायक के अकाउंट से कोई पोस्ट हो तो यह संख्या हजारों में तो होना चाहिए। लेकिन, यहां स्थिति दयनीय है। विधायकों के फेसबुक अकाउंट अगर देखे जाए तो उनकी पोस्ट पर कहीं पचास तो सौ तो कहीं दो सौ लाईक और कमेंटस है। इससे ऐसा महसूस होता है कि लोग हमारे विधायकों को इग्नोर कर रहे हैं।

कैलाश टॉप पर, दूसरे नंबर पर विश्वास सारंग...

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री समेत मंत्रिमंडल के 31 सदस्य हैं। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या के मामले में नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय टॉप पर हैं। उनके कुल फॉलोअर्स की संख्या 39.25 लाख हैं। दूसरे नंबर पर खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग हैं। जिनके फॉलोअर्स की संख्या 10 लाख से ज्यादा है। बाकी बचे 28 मंत्रियों में एक भी मंत्री के फॉलोअर्स की संख्या 10 लाख से ज्यादा नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव फॉलोअर्स के मामले में प्रदेश में दूसरे नंबर पर हैं। उनके फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर कुल फॉलोअर्स की संख्या करीब 29 लाख है। तीसरे नंबर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर आते हैं। तीनों प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, इंस्टाग्राम पर तोमर के फॉलोअर्स की संख्या करीब 16 लाख है। प्रदेश में केवल दो विधायक- विजयराघवगढ़ के संजय पाठक और बुधनी के रमाकांत भार्गव के फॉलोअर्स की संख्या 07 लाख से ज्यादा है। वहीं, 09 ऐसे विधायक हैं, जिनके फॉलोअर्स की संख्या तीन लाख से ज्यादा और 07 लाख से कम है।

विवादित मंत्री विजय शाह के केवल 10 हजार फॉलोअर्स...

30 मंत्रियों में से 5 मंत्री ऐसे हैं, जिनके फॉलोअर्स की संख्या 25 हजार या इससे कम है। चितरंगी विधायक और पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह के सोशल मीडिया के तीनों प्लेटफॉर्म्स पर फॉलोअर्स की संख्या 25 हजार है। उनके बाद 23 हजार फॉलोअर्स के साथ सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह का नंबर आता है। कर्नल सोफिया पर की गई विवादित टिप्पणी से सोशल मीडिया पर सुर्खियों में आने वाले आदिम जाति कल्याण मंत्री विजय शाह के तीनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर केवल 10 हजार फॉलोअर्स हैं। वे न तो फेसबुक पर ज्यादा सक्रिय हैं, न ही एक्स और इंस्टाग्राम पर। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया भी सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं। उनके कुल 09 हजार फॉलोअर्स हैं।

दुकान में लगी आग, फोटोकॉपी मशीन जली

पिपलियामंडी, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। यहां गांधी चौराहे से आगे मनासा मार्ग स्थित बालागुढ़ा मार्केट में अज्ञात कारणों से एक दुकान में आग लग गई। जिसमें फोटोकॉपी मशीन जल गई। शनिवार सुबह जय श्री कम्प्युटर नाम से संचालित दुकान में आग लग गई। पास दुकानदार ने आगजनी की सूचना दुकान संचालक दिनेश कारपेंट को दी। दुकान खोलकर आस-पास लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। दुकान में लगी फोटोकॉपी मशीन जल गई। बाकी सामान सुरक्षित रहा। आगजनी से करीब एक लाख का नुकसान हुआ है।

डॉ डीके शर्मा सेवा निवृत, बीएल रावत बने सिविल सर्जन

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल मंदसौर के सिविल सर्जन डॉ डीके शर्मा 31 मई शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की सेवा से रिटायर्ड हो गये। उजे स्थान पर पहले डॉ आरके द्विवेदी को दिये जाने के आदेश हुए थे। लेकिन, श्री द्विवेदी द्वारा चार्ज लेने में असमर्थता जताये जाने पर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ बीएल रावत को दिया गया हैं। बता दें की डॉ रावत पहले भी मंदसौर में पदस्थ रहे हैं। बाद में वे नीमच सिविल अस्पताल के सीएस भी रहे हैं। अब पुन: मंदसौर में सिविल सर्जन के पद पर कार्यभार गृहण किया हैं। बता दें की उनका परिवार कांग्रेस की राजनीती में सक्रिय रहता आया हैं।

घर में खून से लथपथ मिले परिवार के चार जन

नीमच में रात में हमला, पुलिस ने घर सील किया

नीमच, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर के बोहरा कब्रिस्तान के पास पांच खोली क्षेत्र में एक परिवार पर शुक्रवार रात को हमला हुआ। घटना की जानकारी शनिवार सुबह 11 बजे तब मिली, जब घायल गीता बाई की बेटी शीला घर पहुंची। उसने दरवाजा खोलते ही परिजन को खून से लथपथ देखा। शीला के शोर मचाने पर पड़ोसी एकत्र हुए। पुलिस को सूचना दी गई। एडिशनल एसपी और कैंट थाना प्रभारी की टीम मौके पर पहुंची। शीला का ससुराल नीमच में ही दूसरे मोहल्ले में है। इनका भाई पैरालिसिस में है, आज ये भादवा माता मंदिर भाई के साथ जाने वाली थी।

हमले में गीता बाई (65), उनका बेटा बबलू (45), धनराज और उसकी पत्नी सपना हरिजन घायल हुए हैं। सभी घायलों को बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में परिजन और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। चारों घायलों को शहर के एक निजी अस्पताल में रेफर किया है।

हमले की आवाज लोगों तक नहीं पहुंची...

एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर घर को सील किया है। शुरूआती जांच में पता चला कि हमले की आसपास के लोगों को कोई आवाज नहीं सुनाई दी। गर्मी का सीजन है, सभी के घरों में कूलर चल रहे थे। इसलिए किसी को भी आवाज सुनाई नहीं दी। घायलों के होश में आने के बाद ही हमले के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंगनवाड़ियों में गरमी की छुट्टी आज से, कार्यकर्ता-सहायिका रहेंगी सक्रिय

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। आंगनबाड़ी केंद्रों में आज एक से 15 जून तक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश केंद्रों में नियमित रूप से आने वाले तीन से छह साल आयु वर्ग के बच्चों एवं अन्य हितग्राहियों के लिए होगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की उपस्थिति इस अवधि में अनिवार्य रहेगी। महिला बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, यह अवधि आंगनबाड़ी केंद्रों के रख-रखाव, दस्तावेज संधारण, वार्षिक सर्वेक्षण तथा पोषण संबंधित गतिविधियों के लिए निर्धारित की गई है। इस दौरान केंद्रों में बच्चों के लिए नाश्ता एवं गर्म पका भोजन के स्थान पर रेडी टू ईट भोज्य पदार्थ महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा वितरित किया जाएगा।

पोषण वाटिका की तैयारी...

बाउंड्रीवाल युक्त केंद्रों और कुपोषित बच्चों के घरों में पोषण वाटिका हेतु क्यारियां तैयार की जाएंगी। बीज व पौधों की व्यवस्था के लिए पंचायत से समन्वय किया जाएगा। बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकगण इस अवधि में दूरस्थ व सहयोग की आवश्यकता वाले केंद्रों पर विशेष ध्यान देते हुए निरंतर निगरानी करेंगे। 16 जून को पुन: केंद्रों में बच्चों एवं महिलाओं के स्वागत के साथ नियमित गतिविधियां प्रारंभ होंगी।

हवा से फटे पोस्टर- इन दिनो तेज हवा के चलते शहर के चौराहों पर लगे बैनर-पोस्टर लगातार फट रहे है। स्थिति को देखते हुए नपा ने फटे पोस्टर - बेनर हटाने की कार्यवाही की।

सड़क पर खड़े रहने पर मारपीट, दोनों पक्षों पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में दोनों पक्षों पर पुलिस ने केस दर्ज किया। बांसाखेड़ी निवासी दशरथ पिता पन्नालाल गुर्जर ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बाइक से गांव जा रहा था। गांव सूरी में रास्ते में शराब पीकर खड़े व्यक्ति राकेश पिता लक्ष्मीनारायण तंवर को साइड में रहने की कहा तो उसने गाली-गलौज मारपीट की। उंगली पर दांतों से काट लिया और बाइक को लात देकर गिरा दी। पुलिस ने राकेश पर केस दर्ज किया। इसी तरह राकेश तंवर ने शिकायत दर्ज कराई कि मैं सड़क के साइड में खड़ा था। इसी दौरान बाइक पर दो व्यक्ति दशरथ गुर्जर व जोगेन्द्र आए और बोले सड़क के साइड में क्यों खड़ा है, गाली-गलौज कर मारपीट की व पत्थर से मारी, जिससे मूह पर चोंट आई। पुलिस ने दशरथ व जोगेन्द्र पर केस दर्ज किया।

बदनाम करने का आरोप लगाकर पीटा, 4 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया। आक्यापालरा निवासी बहादूरलाल पिता गोपीलाल बावरी ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि रात्रि में आक्यापालरा निवासी भेरुलाल पिता कंवरलाल बावरी, गणपतलाल पिता बंशीलाल बावरी, बलवंत पिता माधुलाल बावरी व बादरी निवासी लक्ष्मण उर्फ वाणिया पिता सत्यनारायण बावरी मेरे घर पर आए। भेरुलाल बोला कि तू व मेरा भतीजा चम्पालाल मुझे बदनाम कर रहे हो। चारों ने मिलकर गाली-गलौज की व लात-घुसों से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए मेरे बेटे राधेश्याम, भाई लक्ष्मीनारायण, बहू उषाबाई के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

दशौरा ब्राह्मण समाज कुलदेवी पूजन के लिये

कल 02 जून को मंदसौर में दशोरा ब्राह्मण समाज द्वारा कुलदेवी की विशेष वार्षिक पूजा की जाएगी। इस अवसर पर देश भर से समाजजन आएंगे। नगर पालिका ने मुक्तिधाम के समीप स्थित छोटी पुलिया के पास नदी से जलकुंभी हटाना शुरु कर दी है। जिससे कि नदी के बीच में स्थित दशौरा समाज की कुलदेवी के स्थान तक नाव से आना-जाना किया जा सके।

कॉम्बिंग गश्त:पुलिस वालों ने रातभर बहाया पसीना

ढाई सौ वारंटी पकड़े, अवैध शराब भी जप्त की गई

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार- शनिवार की दरमियानी रात जिले में पचास टीमें बनाकर करीब पांच सौ पुलिस अधिकारी कर्मचारी अपराधियों की धरपकड़ करते रहे। इस दौरान कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने 249 वारंटियों को दबोचा। जिनमें 145 स्थायी वारंटी एवं 88 गिरफ्तारी वारंटी शामिल है। रात में पुलिस टीम ने हिस्ट्रीशीटर/बदमाशों की चेकिंग करते हुए 71 निगरानी बदमाशों को चेक किया एवं 80 गुंडा/बदमाशों, 05 सजायाब बदमाशों को चेक करते कुल 156 निगरानी/गुंडा बदमाशों की चैकिंग की गई।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा अवैध शराब के कुल 38 प्रकरणों में 38 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से कुल 196.14 लीटर कुल कीमती 57 हजार 60 रू की अवैध शराब जप्त की गई। भानपुरा थाना पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत एक नाबालिग बालिका को दस्तयाब करने में बडी सफलता मिली है। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद द्वारा कॉम्बिंग गश्त की सतत मानिटरिंग की गई।

सबसे ज्यादा स्थायी वारंटी कोतवाली ने पकड़े...

कुल 145 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किये गये। जिनमें थाना कोतवाली- 28, थाना वायडी नगर- 15, थाना नई आबादी-03, थाना अफजलपुर- 09, थाना नाहरगढ- 06, थाना दलौदा- 12, थाना मल्हारगढ- 04, थाना नारायणगढ- 08, थाना पिपलियामंडी- 09, थाना सीतामऊ- 27, थाना सुवासरा 14, थाना शामगढ- 05, थाना गरोठ- 02, थाना भानपुरा - 03 द्वारा तामिल किया गया। इसी प्रकार जिले में कार्यवाही के दौरान कुल 88 गिरफ्तारी वारंटियों की भी धरपकड़ की गई जो थाने अनुसार इस प्रकार है- थाना कोतवाली- 06, थाना वायडी नगर- 08, थाना नईआबादी- 05, थाना भावगढ- 06, थाना अफजलपुर- 01, थाना नाहरगढ-02, थाना मल्हारगढ 06, थाना नारायणगढ- 20, थाना पिपलियामंडी- 05, थाना सीतामउ- 05, थाना सुवासरा 02, थाना शामगढ- 09, थाना गरोठ- 05, थाना भानपुरा द्वारा 08 के विरूद्ध कार्यवाही की।

यह कार्रवाई भी की...

कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा 138 एनआई एक्ट के 50 वारंट, विद्युत अधिनियम के 58 वारंट एवं 37 अन्य अपराधों के वारंट भी तामिल करवाये गये। जुआ सट्टा के 05 प्रकरणों में 06 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही करते 03 हजार 660 रू जप्त किये गए। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा धारा 151 के अंतर्गत 05 प्रकरणों में 13 आरोपियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई।

विचार-मंथन

मणिपुर में शांति बहाली का प्रयास जारी

मणिपुर में लंबे समय से शांति बहाली के प्रयास चल रहे हैं। वहां करीब दो वर्ष पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव की शुरुआत के बाद हालात इस कदर बिगड़ गए कि उसे संभाल पाना राज्य की तत्कालीन सरकार के लिए संभव नहीं हुआ और इसी वजह से पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। पिछले तीन महीने से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यों हिंसा और संघर्ष पर काबू पाने में नाकामी की वजह से पहले से ही वहां राष्ट्रपति शासन की मांग हो रही थी। विडंबना यह है कि आज भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव को खत्म करना और सर्वसम्मति से समाधान तक पहुंचना मुमकिन नहीं हो सका है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि वहां नई सरकार के गठन के लिए जो कवायद शुरू हुई है और किन्हीं हालात में यह संभव हो पाता है, तो क्या इससे मणिपुर की मौजूदा समस्या का कोई ठोस हल निकल सकेगा और क्या वहां हिंसा और टकराव का दौर खत्म हो पाएगा। गौरतलब है कि मणिपुर में राजग के दस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर चौवालीस विधायकों के समर्थन का हवाला देते हुए सरकार गठन की मांग की है। विधायकों के इस समूह ने सरकार गठन को जनता की इच्छा बताया। लेकिन अगर इन विधायकों के साथ कुकी समुदाय के दस विधायक नहीं हैं, तो ऐसे में इस समूह के पास राज्य की सबसे मुख्य समस्या से पार पाने के लिए क्या योजना और दृष्टि है। राज्य में नई सरकार बनाने के पक्ष में भाजपा सहित राजग के कई विधायक जरूर हैं, लेकिन भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अब भी सरकार के बनाने के दावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में निकट भविष्य में राष्ट्रपति शासन नहीं

हटाने की भी खबर आई है। ऐसे में नई सरकार के गठन की मांग के धरातल पर उतरने की उम्मीद फिलहाल आगे की बात लगती है। इसके बावजूद यह सच है कि मणिपुर में शांति बहाली और सामुदायिक टकराव के कारणों को दूर कर दूरगामी हल निकलना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही संभव है। हालांकि मणिपुर में नई सरकार के गठन को लेकर चाहे जो भी कोशिशें चल रही हों, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि वहां आम जनजीवन जिस अस्थिरता और आए दिन हिंसक सामुदायिक टकराव से दो-चार है, उसका कोई ठोस समाधान निकाला जाए। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर दो वर्ष पहले जिस हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। आज भी आए दिन गोलीबारी या हिंसक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं। हैरानी की बात यह है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच ऐसी खाई बन गई है, जिसे पाटे बिना किसी दीर्घकालिक हल तक नहीं पहुंचा जा सकता। मगर दोनों समुदायों में परस्पर विश्वास बहाली को लेकर ऐसा कुछ भी नहीं किया गया, जो संवाद का कोई सार्थक पुल तैयार करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश हो। आज भी अगर मणिपुर का आम जनजीवन अस्थिर है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जाहिर है, नई सरकार के गठन के प्रयासों के समांतर जरूरत इस बात की है कि वहां संघर्षरत समुदायों के बीच विश्वास और संवाद कायम किया जाए।

भारत क्यों रख रहा है बांग्लादेश में चुनावी अभियान पर पैनी नजर!

अरुणिम भुयान

बांग्लादेश में राजनीतिक अनिश्चितता गहराने के साथ ही भारत ने अपने पूर्वी पड़ोसी देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली में गहरी दिलचस्पी के संकेत दिए हैं. गुरुवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में 2025 के अंत तक चुनाव कराने की बढ़ती मांग के बीच जल्द से जल्द स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जरूरत पर जोर दिया. गौर करें तो विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और यहां तक कि सेना की ओर से भी इस बात की मांग उठ रही है कि चुनाव जल्द कराए जाएं. आज के जिन हालात में मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की कमान संभाल रहे हैं, वो पड़ोसियों से लेकर कई देशों के लिए चिंता की बात है. हालांकि भारत इन चुनावों के समय और संचालन को इसे ढाका का घरेलू मामला मानता है. मगर, दक्षिण एशिया में सुरक्षा, संपर्क और आर्थिक सहयोग के लिए एक क्षेत्रीय अनिवार्यता के रूप में भी इसे देखता है. इसको लेकर वो पैनी नजर रखे है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, जहां तक बांग्लादेश में चुनावों का सवाल है, हमने अपनी स्थिति बहुत स्पष्ट कर दी है और हमने ऐसा लगातार किया है. बांग्लादेश को जल्द से जल्द समावेशी, निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराकर लोगों की इच्छा और जनादेश का पालन करने की जरूरत है. बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण उथल-पुथल चल रही है. इस बीच नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर लोकतांत्रिक शासन में बदलाव को गति देने के लिए बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है. बांग्लादेश के साथ गहरे ऐतिहासिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध साझा करने वाले भारत ने जल्द से जल्द स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की

अपनी उम्मीद जताई है. यह रुख बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और बांग्लादेश के सेना प्रमुख द्वारा दिसंबर 2025 तक चुनाव कराने के आह्वान के अनुरूप है. बांग्लादेश में राजनीतिक घटनाक्रमों पर भारत की चिंता कई रणनीतिक वजहों से उपजी है. एक स्थिर बांग्लादेश भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है. साथ ही भारत, बांग्लादेश के साथ एक लंबी सीमा साझा करते है. ऐसे में राजनीतिक अस्थिरता सीमा पार तनाव और सुरक्षा चुनौतियों को जन्म दे सकती है. गौर करें तो बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है. ऐसे में दोनों देशों के बीच लंबे समय तक राजनीतिक अनिश्चितता व्यापार और आर्थिक सहयोग को बाधित कर सकती है. भारत और बांग्लादेश ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों पर मिलकर काम किया है. इस क्षेत्र में निरंतर सहयोग के लिए बांग्लादेश में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित और स्थिर सरकार जरूरी है. गौर करें तो इस सप्ताह की शुरुआत में, बीएनपी ने इस साल दिसंबर तक स्वतंत्र, निष्पक्ष और निष्पक्ष राष्ट्रीय चुनाव कराने के लिए एक स्पष्ट और विशिष्ट रोडमैप की तत्काल घोषणा की अपनी मांग दोहराई. ढाका ट्रिब्यून समाचार वेबसाइट ने मंगलवार को ढाका में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीएनपी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य खांडेकर मुशर्रफ हुसैन के हवाले से कहा, हम निष्पक्ष, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के जरिए दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय संसद के गठन के लिए एक विशिष्ट रोडमैप की तत्काल घोषणा की मांग करते हैं. मुशर्रफ हुसैन ने कहा कि राष्ट्रीय चुनाव को सर्वोच्च प्राथमिकता देना, लोगों की सर्वोच्च आकांक्षा है. ये मौजूदा सरकार का मुख्य एजेंडा होना चाहिए, उन्होंने कहा, अन्यथा, लोगों की पार्टी के रूप में बीएनपी के लिए इस सरकार के साथ अपना सहयोग जारी रखना मुश्किल होगा. पिछले रविवार को बीएनपी की स्थायी समिति के एक अन्य सदस्य गायेश्वर चंद्र रॉय ने कहा कि अंतरिम सरकार के मुखिया, अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए कट्टरपंथियों को एक साथ लाए हैं. एक विरोध रैली में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग प्रगतिशील वामपंथी और कट्टरपंथी राजनीति में शामिल हैं, वे एक ही सिद्धांत से आते हैं. बीडीन्यूज24 डॉट कॉम ने रॉय के हवाले से कहा, लेकिन मुख्य सलाहकार ने उन्हें विभाजित कर दिया है. सत्ता में बने रहने के लिए उन्होंने कट्टरपंथियों को एक साथ ला दिया है. बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमान ने भी कहा है कि आदर्श रूप से आम चुनाव इस वर्ष दिसंबर तक हो जाने चाहिए. साथ ही उन्होंने कहा कि केवल निर्वाचित सरकार के पास ही देश का भविष्य तय करने का अधिकार है. 21 मई को ढाका छावनी के सेनाप्रांगन में अधिकारियों को संबोधित करते हुए जनरल वेकर ने कहा कि चुनाव पर उनका रुख अपरिवर्तित है. ढाका ट्रिब्यून ने सेना प्रमुख के हवाले से कहा कि वहां उन्होंने विभिन्न रैंक के अधिकारियों से कहा कि देश के भविष्य को आकार देने का अधिकार एक निर्वाचित सरकार का है. इस बीच, यूनुस ने जापान की अपनी यात्रा के दौरान बुधवार को पूर्व जापानी प्रधानमंत्री और जापान-बांग्लादेश संसदीय मैत्री लीग के अध्यक्ष तारो आसो से कहा कि देश का अगला राष्ट्रीय चुनाव आगामी दिसंबर से जून के बीच कभी भी होगा. यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल इस्लाम के हवाले से कहा गया, प्रोफेसर यूनुस ने तारो आसो को बताया कि चुनाव आगामी दिसंबर से जून 2026 के बीच होंगे. उन्होंने 6 महीने की समय सीमा तय की है और चुनाव उसी अवधि के भीतर करवाए जाएंगे. ढाका स्थित पत्रकार सैफुर रहमान तपन के अनुसार, जहां तक लोकतांत्रिक शासन का सवाल है, सेना प्रमुख की भूमिका सराहनीय है. तपन ने ढाका से ईटीवी भारत को फोन पर बताया, बीते साल अगस्त में अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही वह कहते आ रहे हैं कि सेना सत्ता पर कब्जा नहीं करना चाहती है. यह केवल जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों का कर्तव्य है. उन्होंने बीते वर्ष सितम्बर में जनरल वेकर के बयान को याद किया कि बांग्लादेश में 18 महीने के भीतर एक निर्वाचित सरकार होगी. तपन ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे सेना प्रमुख एक निर्वाचित सरकार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नकारात्मक बातों को करें नजरअंदाज...

अशोक कुमार

भौतिक व्यामोह ने जीवन के सबसे अहम पहलुओं में से खुशी के पल को नजरअंदाज किया है। मनोचिकित्सकों का कथन है कि प्रसन्न व्यक्ति की मानसिक स्थिति अच्छी होती है, वे अपने निर्धारित दायित्व पालन में सफल होते हैं, परिवार और समाज के कार्यों में वे अच्छी तरह हाथ बंटाते हैं और कई शारीरिक व्याधियों से वे बचे भी रहते हैं। वैश्विक प्रसन्नता सूचकांक के ताजा आंकड़े के मुताबिक, 147 देशों में भारत का स्थान 118 वां है, जबकि वर्ष 2022 में हम 92 वें स्थान पर थे। तो क्या खुशियों का पैमाना क्षरण की ओर अग्रसर है? इसके क्या कारण हैं? खुशी हमारे चिंतन स्वभाव का एक सांवेगिक हिस्सा है, जिसे हम महसूस करते हैं। दुखी होने के कई कारणों में वैसी घटनाएं मानी जाती हैं जो हमारे वैचारिक भूमि से मेल नहीं खातीं, जबकि खुश रहने की स्थितियों में हमारे मन की अनुकूलता की अनुभूति से तारतम्य बनाए रखता है। अक्सर हम दैनिक जीवन में होने वाली मामूली बातों से अपनी खुशी खो देते हैं। उस समय थोड़े धैर्य से हम यह नहीं विचार करते कि किसी अचानक उपजी स्थिति की गहराई में क्या मर्म है। जब हम खुशी खोते हैं, उस समय हमारे मानसिक प्रवाह की दिशा में उदासी, चिड़चिड़ापन और निष्क्रियता के तरंग उत्पन्न होने लगते हैं, जिसे सामान्य होने में अधिक समय लगता है। ऐसा ही मन का स्वभाव है, जो छोटी-मोटी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर जीवन के अनुभूति आंगन में प्रवेश कर जाता है, जबकि जो खुशी अंतर्चेतना में मौजूद है, उस पर हमारा ध्यान नहीं जाता। हालांकि खुशी सिर्फ एक व्यक्ति के आनंदित होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामूहिक संचारी गुण है। पारिवारिक आंगन में यह आमतौर पर देखने को मिलता है कि अगर घर का एक सदस्य खुश है और शेष कई सदस्य दुखी हैं, तो एक की निजी खुशी में स्थायीपन नहीं हो सकता। हमारे आसपास के लोगों का सुख-दुख हमारी स्वयं की प्रसन्नता को निश्चित तौर पर प्रभावित करता है। इसी परिप्रेक्ष्य में सभी के सुखी और आनंदित रहने के लिए 'सर्वे भवंतु सुखिन:' के पुनीत संदेश लोक जीवन में एक अमूल्य स्थान रखे हुए है। कभी-कभी परिवार या समाज में कोई अप्रिय घटना के कारण अधिकांश लोग दुखी हो जाते हैं, जिसमें हमारी आंतरिक स्थिरता और साहस पीड़ित के लिए सहारा और संबल बन जाती है। ऐसे पल में खुशी के भाव निश्चित रूप में प्रकट नहीं होते, बल्कि यह अचेतन आवरण का तात्कालिक हिस्सा हो जाता है। हमारी खुशी अन्य पर आश्रित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह उनके उत्थान और सहजता का कारण होना चाहिए। लोक मान्यता है कि हर व्यक्ति अपने कर्म के अनुसार ही सुख या दुख का भागीदार बनता है। शायद इस तर्क के पीछे यह उद्देश्य रहा हो कि व्यक्ति अच्छे व्यवहार और आचरण का प्रदर्शन करना अपनी दैनंदिनी में शामिल करे। कुछ ऐसे भी दृष्टांत देखे जाते हैं जब किसी को खुश करने के लिए कुछ भी चेष्टा करें, वे दुखी ही बने रहते हैं और यह भी कह देते हैं कि दुख मेरे भाग्य में लिखा हुआ है। यह हालत बाद में मानसिक अवसाद के रूप में प्रकट होने लगता है। अनेक दार्शनिकों ने कहा है कि खुशी बिल्कुल निशुल्क है जो हम सभी के अंतर्मन में छिपा हुआ है। कुछ लोग कहते हैं कि खुशी धन, दौलत और भौतिक संसाधनों से प्राप्त होती है। कई लोग नियमित रूप से पर्यटन प्रकल्प से जुड़कर अपने को तरोताजा रखते हैं जो खुशी का मनोहारी बिंदु है। हमारा मन एक कामना की पूर्ति होते ही दूसरी इच्छा की पूर्ति के लिए सचेष्ट हो जाता है। इसकी तीव्रता हमें कई ऐसे उपसर्ग से घेर लेती है, जब हम अपनी आंतरिक प्रसन्नता को विचलन की दिशा प्रदान कर देते हैं। आमतौर पर किसी के कटु या अप्रिय बोल हमें असहज करते हुए क्रोध पैदा करते हैं। बौद्ध दर्शन का एक कथन है कि व्यक्ति को नकारात्मक वाक्यों को तुरंत नजरअंदाज कर देना चाहिए। नवजात शिशु के मन भी सुख-दुख की कसौटी पर परखे गए हैं। कोई बात उसके मनोनुकूल न होने पर वह रोने लगता है, लेकिन ज्यों ही उसे मन के अनुसार कोई खिलौने दिए जाते हैं, वह खुश होकर मुस्कुरा देता है। जीवन की जटिलता के वर्तमान दौर में खुश रहना आसान भले नहीं लगता, लेकिन यह असंभव नहीं है। हमारी दिनचर्या में अनेक प्रसंग उपस्थित होते हैं।

क्या माओवाद अब सचमुच अंतिम सांसें गिन रहा है?

क्या देश में माओवाद (नक्सलवाद) अब अंतिम सांसें गिर रहा है? क्या देश के 12 राज्यों में लाल कॉरिडोर बनाने का आधी सदी पुराने 'लाल' सपने को संकल्प ने मिट्टी में मिला दिया है? क्या नक्सल प्रभावित जिलों में अब स्थायी शांति लौटने की आस बढ़ गई है या फिर यह एक अस्थायी शांति है, कुछ समय बाद माओवादी नए सिरे से अपने काम में लग जाएंगे? ये ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब आने वाले समय में मिलेंगे, क्योंकि हाल में एक शीर्ष माओवादी नेता बसवराजू के मारे जाने से माओवादियों को तगड़ा झटका जरूर लगा है, लेकिन उसके तीन नेता माड़वी हिड़मा, भूपति और प्रभाकर अभी भी सक्रिय हैं। माओवादियों की संख्या अब घटकर भले आधी रह गई हो, लेकिन 'देश में प्रतिक्रियावादी (लोकतांत्रिक) शासन प्रणाली को खत्म कर सशस्त्र क्रांति के जरिए 'जन सरकार' स्थापित करने का जुनून अभी खत्म नहीं हुआ है। हालांकि सुरक्षा बलों के लगातार दबाव और आम जनता में माओवादियों की घटती साख के चलते उनके हौसले ढीले पड़ गए हैं। देश में मोदी सरकार और कुछ नक्सल प्रभावित राज्यों में भाजपा सरकारें आने के बाद माओवादियों के सामने दो ही विकल्प बचे हैं या तो वो सुरक्षा बलों से लड़ते हुए मारे जाएं या फिर आत्म समर्पण कर दें। सरकार की यह नीति 'लाठी और गाजर' वाली है। पिछले एक साल में सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान में जितनी संख्या में माओवादी या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने आत्मसमर्पण किया है, उससे लगता है कि देश में राजनीतिक-सामाजिक बदलाव का माओवादियों का सपना अब अतीत की बात बन जाने वाला है। क्योंकि पचास साल के सशस्त्र संघर्ष और सैकड़ों मौतों के बाद भी इससे कुछ भी हासिल नहीं किया जा सका है। अब तो युवाओं में भी ऐसी कथित क्रांति कोलेकर वो रुचि नहीं रह गई है, जो किसी जमाने में हुआ करती थी। ऐसे में नक्सली आंदोलन जो कभी देश के 12 राज्यों में फैला था, अब महज 6 जिलों तक सिमट गया है। जो आंदोलन कभी किसानों और आदिवासियों को उनके हक और शोषण से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से शुरू हुआ था, वह खुद रंगदारी, हत्याओं और अराजकता में तब्दील हो गया। माओवादी केवल एक लक्ष्य में आंशिक रूप से कामयाब रहे और वो है कि आधुनिक विकास की किरणें दूर-दराज के इलाकों तक न पहुंचने देना। लेकिन इसके बदले में आम लोगों को क्या मिला? जो युवा कभी माओवाद के हिंसक रास्ते पर चल पड़े थे, उनके हिस्से में थोथे आत्म संतोष या हताशा के अलावा क्या आया? माओवादियों ने घने जंगलों, दूरदराज के इलाकों, दुर्गम पहाड़ियों आदि को अपने छिपने ठिकाना इसलिए बनाया था ताकि पुलिस और सुरक्षा बल वहां तक न पहुंच सकें। जंगलों में उन्होंने किसी हद तक अपना राज कायम भी कर लिया था। जब भी इस पर कोई आंच आती दिखती, वो इसका जवाब आतंक से देते। जिनमें सुरक्षा बलों पर घातक हमले हों या फिर मुखबिरी के आरोप में स्थानीय निवासियों की बेरहम हत्याएं हों। हालांकि जिस मूल कम्युनिस्ट विचारधारा से माओवाद का जन्म हुआ था, उसे मानने वाली और राजनीतिक मुख्य धारा में शामिल पार्टियों ने माओवादी हिंसा से दूरी बना ली थी, लेकिन माओवादी संघर्ष के प्रति उनके मन में साफ्ट कॉर्नर, अर्बन नक्सलियों द्वारा उनका मार्गदर्शन, आर्थिक और नैतिक सहयोग बरकरार था। यह बात अलग है कि जिस माओवाद का खयाली पुलाव ये पकाते रहे हैं, उसे असली माओवादी चीन ने भी पीछे छोड़ दिया है। माओवाद दरअसल पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से जमींदारों द्वारा किसानों के शोषण के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के रूप में 70 के दशक में शुरू हुआ था।

पाकिस्तान बातचीत को लेकर गंभीर है तो सौंप दे हमें हाफिज सईद और मसूद अजहर : राजनाथ सिंह

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5612

2	3				7			1
1	8		5	3		4		
	4	6						
	5				8			2
	6			2			9	
9			3					
						8	2	
		3		5	9		4	7
5			7				3	9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5611

6	4	7	1	9	3	2	8	5
9	5	2	6	8	7	1	4	3
3	1	8	2	4	5	9	6	7
4	3	6	5	2	9	7	1	8
5	8	9	7	1	6	3	2	4
2	7	1	4	3	8	5	9	6
8	2	5	3	6	1	4	7	9
7	9	4	8	5	2	6	3	1
1	6	3	9	7	4	8	5	2

वर्ग पहेली 5611

संकेत: बाएं से दाएं
1. 25 अगस्त 1957 को इस देश की सरकार ने देश में घोषित आपातकाल के 30 वर्ष बाद वापस लिया (3)
4. दोनों हाथों से तीर चला लेने के कारण अर्जुन का एक नाम (4)
7. [illegible], मुंशी प्रेमचंद की सुप्रसिद्ध कृति (3)
8. [illegible] (2)
9. प्रसन्न होना, [illegible] होना (4)
11. उर्दू या फारसी में गजलें लिखने, बोलने वाला (3)
13. सिपाही, सैनिक (3)
15. दो की संख्या, मिथुन (2)
16. सीखने में प्रवृत्त करना, प्रशिक्षित करना (3)
17. शादी-ब्याह (उर्दू)(3)
19. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
20. आकाश से गिरने वाली बिजली (2)
21. जो वास्तविकता से परे हो (3)
22. पवित्र, मंगलकारक, शुभ (2)
23. किसी धार्मिक विषय में [illegible] का लिखित आदेश (उर्दू)(3)

ऊपर से नीचे
1. किसी शुभ कार्य के आरंभ में किया गया [illegible] (7)
2. आधार से समकोण बनाती हुई ऊपर जाने वाली रेखा (2)
3. उत्तरप्रदेश का गंगा तट पर बसा वह नगर जो [illegible] के कारण भी प्रसिद्ध है (4)
4. दंड देना, शिक्षा या नसीहत देना (6)
5. [illegible] (2)
6. वह विश्व का प्रथम देश है जिसने मुद्रा का प्रचलन किया (2)
10. [illegible] (3)
12. सुहास, अश्विनी कुमार (3)
14. आम रास्ता, आने-जाने का साधन (4)
18. [illegible] (3)
19. सुपर स्टार सलमान खान की पैतृक भूमि मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
21. दुर्दशा, दुर्गति (2)

वर्ग पहेली 5610 का हल

ह	ज	मु	क	■	शू	र	ल
म	■	बा	त	वी	र	■	कि
प	तु	र	■	फ	■	ना	बा
ति	■	■	ता	मि	या	ना	■
त	ला	शी	■	मि	■	ना	ती
मा	त	■	ड	स्ट	र	■	र
ग	■	प्र	वा	र	■	मा	दा
स	ब्जी	■	र	■	त	ह	ज

शिवना शुद्धिकरण अभियान अंतर्गत किया घाटों का रंग रोगन

अभियान को एक माह हुआ पूर्ण, नदी से 354 ट्राली गंदगी व जलकुंभी निकाली

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। जागरूक विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में शिवना शुद्धिकरण अभियान को एक माह पूरे हो गये। पूरे मई माह में अनवरत् 31 दिनों तक प्रतिदिन 2 घण्टे मंदसौर ही नहीं आसपास क्षेत्रों के ग्रामीणजनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर श्रमदान किया व शिवना के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इन 31 दिनों में श्री पशुपतिनाथ मंदिर के निकट शिवना नदी से 354 ट्राली जलकुंभी व गाद को बाहर निकाला गया। 31 मई को श्रमदानियों द्वारा घाटों की साफ-सफाई की। घाटों पर जमी गाद, गंदगी, झाड़िया साफ कर उसे समतल किया तथा घाटों का रंगरोगन किया जिससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को शिवना नदी स्वच्छ और सुंदर दिखाई दे।

विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि एक माह में शिवना शुद्धिकरण अभियान में सभी का अपार सहयोग मिला है। शिवना शुद्धिकरण अभियान किसी एक व्यक्ति, एक धर्म या एक राजनीतिक दल का नहीं है। यह अभियान सर्व वर्ग और हर आम व खास व्यक्ति का है। सभी इसमें अधिक से अधिक श्रमदान करें। शनिवार को श्रमदान करने वालों में विधायक विपिन जैन, भागवताचार्य पं. विष्णु शर्मा, मंदसौर रजक धोबी कल्याण सेवा समिति के पूनमचंद दसलानिया, तेजकरण गेहलोत, रमेश ब्रिजवानी, रूपनारायण सत्यवासी, प्रकाश पिपलोदिया, विष्णु फगवार, अशोक लश्करी, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, महिपालसिंह, पत्रकार योगेश पोरवाल, विजय एकेडमी से सुनील सर दिल्ली वाले, समाजसेवी महेश दुबे, एम्ब्रोज वाल्टर, रामचन्द्र माली, घनश्याम भावसार, रामलाल माली, अभिषेक तिवारी, रमेश सोनी, बालकृष्ण पोरवाल, राहुल जैन पिंटू, भंवरलाल प्रजापत, नमन पाटीदार, विजय आनंद, अमृत सौलंकी, नितनेश बसेर, महिला नेत्री रफत पयामी, इष्टा भाचावत, सोनाली जैन, अनिता भदोरिया, आशा पोरवाल, चन्द्रकलासिंह भावसार, प्रमिला पंवार, योगिता बैरागी, दीपाली पोरवाल, कांग्रेसजन विकास दशोरा, तरूण खीची, राजनारायण लाड़, मूलचंद पाटीदार, मुकेश यादव, साबिर इलेक्ट्रीशियन, विश्वास दुबे, रमेश सिंगार, राजेश फरक्या, मनोहर नाहटा, संजय नाहर, अजय सोनी, अकरम खान, सादिक गोरी, राकेश सेन, ऋषिराज लाड़, सोहनलाल धाकड़, राजेश चौधरी, महेश गुप्ता, शिवशंकर सौलंकी, शैलेन्द्र गोस्वामी, अभिषेक जैन, भुवनेश माली, मोहनपुरी गोस्वामी, इसरार खान, गणपत कुमावत, फूलचंद पाटीदार, दुर्गाशंकर धाकड़, गोपाल बंजारा, राजा भाई, ओमप्रकाश मांडवी सहित बड़ी संख्या में नागरिक ने उपस्थित होकर श्रमदान किया।

ठा.अर्जुन सिंह राठौड़ की पुण्यतिथि पर हुआ तृतीय प्रतिभा सम्मान

21 मार्च 2026 को अर्जुनसिंहजी की 84वीं जन्म जयंती पर खाटूश्याम मन्दिर में लगेगी प्रतिमा

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। स्व. ठाकुर अर्जुनसिंहजी का जीवन सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय रहा। वे जब तक इस धरती पर रहे धर्म क्षेत्र एवं सामाजिक क्षेत्र में सेवा कार्य करते रहे। उन्हीं का अनुसरण कर आज उनके पुत्र शैलेन्द्रसिंह उनके पदचिन्हों पर चलते हुए सेवा कार्य में पूरी तरह समर्पित हो चुके हैं जो अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय है। आज तीसरे वर्ष उनकी स्मृति में जो आयोजन किया जा रहा है, उसके लिए राठौड परिवार बधाई का पात्र है।

उक्त विचार ठाकुर अर्जुनसिंह राठौड़ स्मृति दिवस समारोह-2025 में वक्ताओं ने व्यक्त किये। श्री खाटू श्याम मंदिर प्रांगण में आयोजित इस समारोह प्रारंभ में अतिथियों द्वारा ठाकुर अर्जुनसिंह राठौड़ के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मुख्य अतिथि सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि सेवा और संकल्प की बात जहां आती है वहां स्व. ठाकुर अर्जुनसिंह का नाम पहले आता है। जीवन की सच्चाई क्या है, यह जानने के लिए हमें अर्जुनसिंहजी के जीवन में झांकना पड़ेगा। शैलेन्द्रसिंह द्वारा अपने माता-पिता के सम्मान में जो आयोजन किया जा रहा हैं, वह सराहनीय है। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि लम्बे समय तक समाज के लिए काम करने का जज्बा ठाकुर अर्जुनसिंह में था। उन्होंने अपना धर्म समझकर सेवा कार्य किये। बहुत कम लोग ऐसे होते हैं। जिनके कई जन्मों का पुण्य सिंचित होता है तो वो किसी मंदिर का निर्माण करते हैं और भगवान को विराजित कर पाते है। अर्जुनसिंह जी ने निश्चित तौर पर कोई ऐसे पुण्य के काम किए है, जिससे उनके नेतृत्व में मंदिर का निर्माण भी हुआ और खाटूश्यामजी विराजित भी हुए। आज खाटू श्यामजी की जो ख्याती और जो श्रद्धा लोगों के मन में है वो अद्वितीय है।

श्री खाटूश्याम मन्दिर के अध्यक्ष श्री शिवकरण प्रधान ने कहा की अर्जुनसिंहजी की धार्मिक और सामाजिक सक्रियता रही है। वे जीवन भर हर जरूरतमंदों की मदद के लिये सदैव प्रयत्नशील रहते थे। कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा ने कहा कि यारों के यार बच्चों से प्यार और आशीर्वाददाता के रूप में आयोजन समिति जो सराहनीय कार्य कर रही है, इसके लिए मैं साधुवाद देता हूं। बच्चों को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है, वह अनुकरणीय है। बच्चे खूब मेहनत करे और अपने माता-पिता का, मंदसौर का और इस देश का नाम रोशन करें। वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम बटवाल ने अभिभावकों से आव्हान किया कि वे अपने बच्चों को पढाए तो सही। लेकिन, अन्य सामाजिक गतिविधियों के लिए भी प्रेरित करें, जिनमें बच्चों की रूचि हो। बच्चे देश का भविष्य होते हैं उनकी नीव ऐसी रखे कि उन्हें कोई हिला न पाए। पढाई ही सब कुछ नहीं है। हमें अन्य गतिविधियों में भी अव्वल आना है और सामाजिक तथा धार्मिक कार्य भी करना है। इस अवसर पर पुत्र शैलेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि मेरे पिता ठाकुर अर्जुन सिंह जी जीवन पर्यन्त धार्मिक कार्यों र्से जुड़े रहे और अब उनकी 84 वीं जन्मजयंती पर 21 मार्च 2026 को श्री खाटूश्याम मन्दिर परिसर के बगीचे में उनकी प्रतिमा लगाई जाएंगी। और उस अवसर पर बच्चों के सम्मान के साथ उनके आगे की शिक्षा में सहायता अर्जुन सिंह राठौड़ चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से की जाएंगी।

श्री अर्जुन सिंह जी राठौर की स्मृति में विशेष छात्रवृत्ति योजना शुरू होगी–शैलेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि श्री अर्जुन सिंह जी राठौड़ चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष दो ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो तथा जिनके परिवार की वार्षिक आय सीमित हो। इन चयनित विद्यार्थियों को आईसीएच ग्रुप मंदसौर जो कि जिले की कोचिंग संस्थान है में सभी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क शिक्षा एवं समस्त सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को पढ़ाई से संबंधित समस्त स्टेशनरी सामग्री का वितरण भी श्री अर्जुन सिंह जी राठौड़ चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से किया जाएगा। यह पहल उन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है जो संसाधनों की कमी के बावजूद आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति रखते हैं। साथ ही डॉ वी.एस. मिश्र, जवाहरलाल जैन, बी एस सिसोदिया ने भी मंच से संबोधन दिया। इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र पुराणिक, रमेशचंद्र चन्द्रे, आशुतोष नवाल, आलोक शर्मा, डी.एस. चन्द्रावत, महेंद्र सिंह राठौड़, शिवप्रताप सिंह राणावत, राजेन्द्र छाजेड़ वीरेंद्र सिंह गौड़, वीरेंद्र सिंह राणावत आदि सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र सिंह सोम ने किया। आभार शैलेन्द्र सिंह राठौड़ ने माना।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर मद्यपान एवं नशे के दुष्परिणामों के बारे में....

जनजागरूकता कार्यक्रम एवं वाहन रैली आयोजित

नीमच, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में 31 मई 2025 विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर मद्यपान तथा मादक पदार्थो, नशीली दवाओं शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज के युवाओं को अवगत करातें हुए, नशामुक्ति के लिए जनजागृति कार्यकमों के क्रम में श्री हिमांशु चन्द्रा के आदेशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, डिप्टी कलेक्टर, प्रभारी उप संचालक, सामाजिक न्याशय सुश्री किरण आंजना के निर्देशन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वें जन्म जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय समापन समारोह कार्यक्रम परिवार, सामाजिक संस्थाएं, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार एवं नगरपालिका अध्यक्षा श्रीमती स्वाति चोपड़ा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नीमच श्री अमन वैष्णव द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, आम नागरिकों को मद्यपान तथा मादक पदार्थो, नशीली दवाओं के दुष्परिणामों का संदेश प्रसारित कर नशा ना करने की शपथ एवं संकल्प दिलवाया गया।

सामाजिक न्याय विभाग, रेडक्रास नशामुक्ति केन्द्र, जन अभियान परिषद, नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, गायत्री शक्ति परिवार, सामाजिक संस्थाएं, एनजीओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा सब्जी मण्डी, फ्रुट मंडी चौराहा पर नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में अवगत करातें हुए पेम्पेलट, स्टिकर, बैनर, द्वारा प्रचार-प्रसार कर मजदुर वर्ग, आम नागरिकों को नशामुक्ति का संदेश देकर संकल्प एवं शपथ दिलवाई गई। वहां से शहर के प्रमुख मार्गो से एक वाहन रैली निकाली गई। वाहन रैली द्वारा मद्यपान तथा मादक पदार्थो, नशीली दवाओं शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारें में जनजागरूकता एवं सदेंश प्रसारित करते हुए भाग्येश्वर मन्दिर स्थित बस्ती में जाकर, वहां निवासरत महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों को तम्बाकू से बने उत्पादों के सेवन से होने वाली गम्भीर बिमारियों जैसे कैंसर, टीव्ही, हृदय रोग, इत्यादी से बचाव करने के लिए जन जागरूकता का संदेश देकर गायत्री शक्ति पीठ पर रैली का समापन किया गया। यह जानकारी श्री सुनील तिवारी, प्रोजेक्टि डायरेक्ट र नशामुक्ति केन्द्र नीमच द्वारा दी गई।

ई-केवाईसी महाअभियान उपखंड मनासा में 5876 ई केवाईसी की

नीमच, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले में चलाए गए ई केवाईसी महा अभियान के तहत चार दिनों में अनुभाग मनासा में 5876 ई केवाईसी की गई है। एसडीएम श्री पवन बारिया ने बताया कि जनपद मनासा में केवाईसी 2961, नगर परिषद मनासा 771, नगर परिषद कुकडेश्वर 78, नगर परिषद रामपुरा 556, राशन केवाईसी 1180, तहसील मनासा में केवाईसी 192, फार्मर रजिस्ट्री 246, तहसील रामपुरा में केवाईसी 138, फार्मर रजिस्ट्री 39, कुल केवाईसी 5876 की गई है। एसडीएम श्रीमती प्रीति संघवी ने बताया, कि ईकेवाईसी महाअभियान के तहत चार दिनों में उपखंड जावद में कुल 4456 हितग्राहियों की ई-केवाईसी की गई है। तहसील जावद में 588 एवं सिंगोली में 519 केवाईसी की गई। नगरीय क्षेत्र जावद में 124, सिंगोली में 120, अठाना में 36 नया गांव में 23 सरवरिया महाराज में 82, रतनगढ़ में 57 एवं डीकेन में 70 हितकारी की ई-केवाईसी की गई है इसके अलावा 445 हितग्राहियों की समग्र खाद्य ईकेवाईसी की गई है।

मंदसौर जिले के दलौदा थाने की कार्यशैली पर उठे सवाल...

बेटी की हत्या के बाद न्याय के लिए भटक रहा है पिता

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। पिता को अपनी बेटी के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए डेढ़ वर्ष से थाने के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, लेकिन पुलिस की कार्यशैली ने इंसाफ की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। ग्राम सोनागरी लालकुआ। निवासी फरजाना की हत्या की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया, परंतु पुलिस की उदासीनता ने इस मामले को और भी गंभीर बना दिया है। फरजाना की हत्या 28 अक्टूबर 2023 को की गई थी। आरोप है कि ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसे बेरहमी से मार डाला। हत्यारों में फरजाना की सास रसीदा, ससुर शहजाद, पति जावेद, देवर इंजू, दीरानी बुलबुल और ननद रुबीना शामिल हैं। सबसे दुखद बात यह रही कि फरजाना की मौत के बाद उसके माता-पिता को सूचना तक नहीं दी गई और चुपचाप उसे दफना दिया गया।

जब फरजाना के पिता को इस घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने 21 नवंबर 2023 को दलोदा थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद एसडीएम के आदेश पर फरजाना के शव को कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम कराया गया। रिपोर्ट में हत्या की पुष्टिहुई, जिसके आधार पर पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। लेकिन इसके बाद पुलिस की कार्यवाही बेहद धीमी और लापरवाह रही। फरियादी के अनुसार, पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी में अनावश्यक देरी की और डेढ़ वर्ष बाद जाकर गिरफ्तार किया। हैरानी की बात यह है कि गिरफ्तारियों की कोई सूचना फरियादी को नहीं दी गई, न ही मीडिया या प्रेस को कोई जानकारी उपलब्ध कराई गई। पीड़ित पिता ने दलोदा थाने की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि अगर समय पर कार्यवाही होती, तो शायद आज उन्हें दर-दर भटकना न पड़ता। उन्होंने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच करवाई जाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। अब सवाल यह उठता है कि क्या पुलिस की लापरवाही न्याय की राह में सबसे बड़ी बाधा बनती जा रही है? फरजाना को कब मिलेगा इंसाफ?

मजदूर से मालिक बनी श्रीमती मीना शर्मा

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के नावली गांव की रहने वाली श्रीमती मीना शर्मा ने अपने दम पर मजदुर से मालिक बनकर दिखाया है। श्रीमती शर्मा ने 12 वीं तक पढाई कर अपनी पढ़ाई छोड़ दी। लेकिन अपने सपने को बुझने नहीं दिया।

श्रीमती मीना मध्यमवर्गीय व संयुक्त परिवार में रहते है। परिवार में आय का कोई साधन नही होने के कारण सभी लोग मजदुरी करके गुजारा करते है। श्रीमती मीना शर्मा बच्चो को कोचिंग पढ़ा कर अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन करती थी। जनपद में आजीविका मिशन प्रारम्भ होने पर श्रीमती मीना शर्मा ने 24 जुलाई 2020 को रानी लक्ष्मीबाई स्व.सहायता समूह से जुडी और इन्होने 50 हजार रू का ऋण लेकर स्टेशनरी की दुकान की शुरुआत की। जिसमें स्टेशनरी से संबंधित सभी समान रखने लगी। कुछ समय बाद इनकी दुकान बहुत अच्छे से चलने लगी। ग्राहक बढ़ने लगे। अब ये स्टेशनरी दुकान से लगभग 5-6 हजार रू. का मुनाफा कमा रही है। इसके साथ ही श्रीमती शर्मा ने एक लाख का सीसीएल लोन लेकर कम्प्युटर सेन्टर खोला। कम्प्युटर सेन्टर में वह बच्चों को कम्प्युटर सिखाती है।कम्प्युटर सेन्टर से लगभग 4-5 हजार रू. की आय होती है। इस तरह श्रीमती मीना शर्मा को हर माह घर बैठे ही 10 हजार की आय हो रही है। जिससे मीना शर्मा। अब अपने परिवार को सुचारू रूप से चलाने में सक्षम है।

प्रियदर्शन संस्था द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाकर दिलाई शपथ

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंदसौर के निर्देशन में प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर नषामुक्त समाज कि शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने तम्बाकू, गुटखा, बिडी सिगरेट से होन वाले नुकसानों के बारे बताया कार्यक्रम में सुरेंद्र कुमार रामावत ने उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओं को तम्बाकू निषेध की शपथ दिलाई। हसताक्षर अभियान के आयोजन मे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एमपी सिंह परिहार पूर्व टी आई संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष पुलिस पेंशनर संघ म.प्र. ने नशे से होने वाली हानियों के बारे में कविता सुनाई। कार्यक्रम के पश्चात नशा मुक्ति की तख्तियां लेकर मानव श्रृंखला बनाकर जन जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से चयनित नवांकुर संस्थाऐ, स्वयंसेवी संगठन, सामाजिक कार्यक्रता विनय दुबेला, दिनेश सौलंकी, सत्यम सिंह, बीएससी सिसोदिया, रविंद्र पांडे, नंदकिशोर राठौड़, दिनेश मेनारिया, पुर्व नपा सीएमओ हरिशंकर शर्मा, राजेंद्र कुमार दायमा, सुभाष गुप्ता जिला धार्मिक उत्सव समिति व जिला अध्यक्ष साहित्यपरिषद नरेंद्र भावसार, बंशीलाल टांक, महेश दुबे, सत्यम सोम, राजराम तंवर, अजीजुल्लाह खान, कमलेश नागदा, विश्वास दुबे, नीडर युवा समिति से शहजाद खान, देवेंद्र पडियार, लाला भाई अजमेरी, दुर्गेश चंदेल, उषा सोलंकी, मंजू भावसार, रेखा बैरागी, संतोष सालवी, पायल चौहान, भारती सोलंकी, रतन लाल चौहान, सुरेश गर्ग, रूलर पब्लिक सर्विस के डायरेक्टर राधेश्याम मारु, रामप्रसाद पाटीदार पिपलिया कराड़िया एवं कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजुद थे।

भाभी को पीटा, देवर पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। भाभी के साथ मारपीट के मामले में देवर पर केस दर्ज हुआ। चन्दनखेड़ा निवासी मायाबाई चौहान ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि घर पर कोई नही था। इस दौरान देवर सत्यनारायण बावरी घर के सामने गालियां दे रहा था। मैंने पूछा तो बोला कि तूने मेरी पत्नी को भगा दिया। और मेरे साथ मारपीट की। जिससे मेरे दोनों हाथों में चोंट आई। पुलिस ने सत्यनारायण पर केस दर्ज किया।

देवी अहिल्याबाई के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करें-विधायक परिहार

नीमच, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। आज हम लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयन्ती मना रहे हैं, लोक माता अहिल्याबाई ने आज से 300 वर्ष पूर्व नारी शक्ति की एक मिसाल पेश की है, वे नारी शक्ति का जीता जागता उदाहरण है, भारत मे कई नारी शक्तियां, देश को उंचाइयों पर ले जाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, उक्त विचार नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने सांदीपनि शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीमच केंट में आयोजित जिला स्तरीय लोकमाता देवी अहिल्याबाई के त्रि-शताब्दी जयन्ती कार्यक्रम के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

न.पा. अध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए देवी अहिल्याबाई के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उक्त जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा और नोडल अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर माह अप्रैल में देवी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर नीमच जिले के सभी हायर सेकेंडरी स्कूलो में निबंध, वाद-विवाद, भाषण, पोस्टर मेकिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यालय स्तर पर प्रथम आए, विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर, सम्मानित भी किया गया। कार्यकम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, नपा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, सीईओ जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, मुख्य वक्ता प्रो.बीना चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी एस एम माँगरिया ने माँ सरस्वती एवं लोक माता देवी अहिल्याबाई के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा ने देवी अहिल्याबाई के बहुत ही कम उम्र में शासक के रूप में किए गए कार्यो का उल्लेख करते हुए, उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। मुख्य वक्ता प्रो.बीना चौधरी ने देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा, कि वे एक कुशल प्रशासक, लोकप्रिय शिव भक्त, दूरदर्शिता से परिपूर्ण दयावान राजा थी। उनका कृतित्व और व्यक्तित्व इतिहास के पन्नो में हमेशा अमर रहेगा। प्रारम्भ में स्वागत उद्बोधन जिला शिक्षा अधिकारी एस एम माँगरिया ने दिया।अतिथियों का स्वागत डीईओ श्री एस.एम.माँगरिया और सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य के एस जैन ने किया। कार्यक्रम में सांदीपनि विद्यालय नीमच की नन्ही छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका सुश्री मंजुला धीर एवं आभार प्राचार्य श्री के.एस.जैन ने व्यक्त किया। यह जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी नीमच ने दी हैं।

अमेरिका मे रहकर अपने शहर मे गिरीश हरवानी ने शुरू किया सेवा प्रकल्प...

छोटी सी आशा सेवा समिति ने 560 लड़कियों को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। गरीब और निम्न मध्यम वर्ग की बालिकाओं को निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्था छोटी सी आशा सेवा समिति के तत्वावधान में प्रमाण पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन कुशा भाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर तथा विशेष अतिथि गण जन भागीदारी समिति पीजी कॉलेज के अध्यक्ष नरेश चंदवानी, ब्रह्माकुमारी हेमा बहन श्रीमती आशा देवी हरवानी और संस्था के संरक्षक मूल रूप से मंदसौर निवासी ओर वर्तमान में यूएसए न्यूयार्क में निवासरत गिरीश हरवानी आदि समारोह में सम्मिलित हुए। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी राजाराम तंवर ना रुख में और विनोद मेहता मंचासीन थे।

उल्लेखनीय है कि मंदसौर के बालागंज में हरवानी परिवार में जन्मे श्री गिरीश हरवानी सीए की पढ़ाई के ही दौरान विगत 9 वर्षों र्से न्यूयार्क अमेरिका में जॉब कर रहे है। उनके मन में यह संकल्प आया कि वह अपने निज शहर के लिए कुछ सेवा करें इसी संकल्प के साथ उन्होंने छोटी सी आशा सेवा समिति बनाकर गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों की लड़कियों के लिए निशुल्क कंप्यूटर क्लासेस आरंभ की।जिसका संचालन समिति अध्यक्ष कविता रैकवार ओर पंकज रैकवार करते हैं।बालागंज में एक छोटे से कक्ष से यह सेवा आरंभ हुई जो विस्तारित होते हुए अब तक लगभग 560 से अधिक लड़कियों को कंप्यूटर में नि:शुल्क प्रशिक्षित कर चुकी हैं। जिले के अन्य स्थानों पर भी निशुल्क कंप्यूटर केंद्र खोले जाएंगे। इस समारोह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है कि विदेश में रहकर अपने शहर के बारे में सोचना और केवल सोचना ही नहीं बल्कि अपनी सेवा को क्रियान्वित भी करना न संदेह गिरीश हरवानी ने बहुत ही अभिनंदनीय संकल्प लिया है जिसकी सराहना की जानी चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी हेमा बहन ने कहा कि वर्तमान युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है कंप्यूटर का प्रशिक्षण और इस समिति ने जो संकल्प लिया है वह साधुवाद की पात्र है।कॉलेज जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने कहा कि गिरीश हरवानी ने अपने माता-पिता से मिले संस्कारों को संचित कर सेवा का पुनीत संकल्प लिया है जिसका पीढ़ियों को लाभ मिलेगा। समिति संरक्षक गिरीश हरवानी ने कहा कि मैं मंदसौर शहर में ही जन्मा हूं बालागंज क्षेत्र में खेला बड़ा हूं। मेरे मन में अमेरिका जाने के बाद यह संकल्प जागृत हुआ कि मैं अपने शहर के लिए कुछ करूं और इसी संकल्प में को लेकर मैंने अपने मित्र पंकज रैकवार से परामर्श किया और आप सभी के सहयोग से सेवा का यह एक यह बड़ा सोपान प्रस्तुत हुआ है। आरंभ में समारोह की रूपरेखा और छोटी सी आशा सेवा समिति की गतिविधियों के बारे में पंकज रैकवार ने विस्तृत जानकारी दी। आरंभ में अतिथियों का स्वागत समिति अध्यक्ष कविता पंकज रैकवार उपाध्यक्ष यशोदा पिपलोदिया सचिव साधना जैन कोषाध्यक्ष भावना रैकवार सहसचिव बिंदिया मसानिया और सदस्य नीलू हरवानी ने किया। मंचीय कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया। प्रमाण पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह को पंकज रैकवार ने संचालित किया अंत में आभार समिति अध्यक्ष कविता रैकवार ने माना। श्री कमलेश कोठारी ने आर्ट ऑफ लिविंग के कोर्स संबंधी जानकारी दी। संस्था में प्रशिक्षण ले रहीं बालिकाओं ने आरंभ में सरस्वती वंदना स्वागत गीत ओर नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किए।।समारोह में लगभग तीन सौ बालिकाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही संस्था द्वारा ग्राम रेवास देवड़ा की बालिका हेमलता कुमावत को उल्लेखनीय कार्य और सेवा के लिए कंप्यूटर सिस्टम पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया। समझ में नगर और क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सर्वश्री बंशीलाल गुर्जर ब्रह्माकुमारी हेमा बहन नरेश चंदवानी, नाहरु खा मेव, राजाराम तंवर, विनोद मेहता, ब्रजेश जोशी, अकरम सर, मनीष भावसार, आशीष मराठा, ओमप्रकाश धनगर, विजय गहलोत, ओमप्रकाश देवड़ा कुणाल श्रीवास्तव निकिता राठौड़ को सम्मानित किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	60	1701	2270
उडद	17	4801	5601
सोयाबीन	5108	3350	4315
गैहु	9763	2323	2850
चना	267	4939	5453
मसुर	124	5551	6200
धनिया	230	4952	7300
लहसुन	16000	2000	9501
मैथी	760	3551	5351
मुंगफली	595	3900	5090
अलसी	1006	6461	7200
सरसो	369	5251	6188
तारामीरा	12	5041	5081
इसबगोल	57	6000	10300
प्याज	1373	200	1107
कलोंजी	30	11500	21101
तुलसी बीज	9	9800	12000
डॉलर	72	6015	9150
तिल्ली	8	6600	8111
जौ	80	2100	2380
मटरसुखी	2	2800	3126
असालीया	5	6452	6529
चियाबीज	84	9500	14000

देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक-मोदी

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जापान को पीछे छोड़ भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक हैं। समाज में बड़ा परिवर्तन लाने वाली लोकमाता देवी अहिल्या को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देवी अहिल्या के प्रेरक कथन 'जो कुछ भी हमें मिला है वह जनता द्वारा दिया ऋण है- जिसे हमें चुकाना है' का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई के इन्हीं मूल्यों पर चलते हुए कार्य कर रही है, 'नागरिक देवो भव:' वर्तमान में गवर्नेंस का मंत्र है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती, सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे भागीरथी प्रयासों में अपना योगदान देने का अवसर है। देवी अहिल्याबाई का मानना था कि 'जनता की सेवा और उनके जीवन में सुधार लाना ही शासन का उद्देश्य है', उनकी इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार वूमेन लेड डेवलपमेंट के विजन को विकास की धुरी बना रही है, सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में माताएं- बहने -बेटियां हैं। देश में गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए जा चुके हैं और इनमें से अधिकतर घर माता -बहनों के नाम पर हैं, वे पहली बार घर की मालकिन बनी हैं। सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, माता-बहनों को असुविधा न हो और बेटियां पढ़ाई लिखाई में ध्यान दे सकें, इस उद्देश्य से बिजली, उज्ज्वला गैस भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह सुविधाएं माता बहनों के सम्मान का विनम्र प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल में जम्बूरी मैदान पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही देवी अहिल्या पर केंद्रित पुस्तकें और शोध पत्र भी प्रदर्शित किए गए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हथकरघा-हस्तशिल्प को समर्पित महिलाओं और ड्रोन दीदी से संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए जारी गतिविधियों, ग्रामीण आवास योजना, ग्रामीण पर्यटन, कृषि आदि क्षेत्र में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल और ग्रामीण व नगरीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदर्शनी में प्रदेश में अधोसंरचना विकास के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, विभिन्न धार्मिक लोक के विकास सहित राज्य के अन्य विकासोन्मुखी नवाचारों का भी अवलोकन किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवीअहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी का राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने देवी अहिल्याबाई होल्कर के जरी जरदोजी से बना चित्र भेंट कर अभिवादन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पगड़ी पहना कर तथा बैतूल जिले के भरेवा शिल्प से निर्मित पुष्पक विमान भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की प्रतीक प्रदेश की चार महिलाओं ने भी स्वागत किया। इस क्रम में जबलपुर में कैंसर रोगियों की देखरेख को समर्पित सुश्री ज्ञानेश्वरी देवी, पहली भारतीय कैनोइस्ट और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त सुश्री प्राची यादव ,ग्राम स्तर पर स्वच्छता और विकास कार्यों कों समर्पित ग्राम तिरला-जिला धार की सरपंच श्रीमती आरती पटेल और महेश्वरी साड़ी निर्माण में लगी नागेश्वरी स्वयं सहायता समूह महेश्वर की सुश्री मीनाक्षी ठाकले ने स्वागत अभिवादन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय कलाकार डॉ. जयमती कश्यप को देवी अहिल्या बाई राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित डाक टिकट और 300 रूपये का सिक्का जारी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दतिया और सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण तथा इंदौर मेट्रो का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में 1271

नए अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) निर्माण के लिए प्रथम किस्त के अंतर्गत 483 करोड़ रुपए का वर्चुअल अंतरण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दुनिया के सबसे बडे गणतंत्र के नायक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देवी अहिल्याबाई होल्कर की पावन धरा पर पधारे हैं। हमारे लिए आज का दिन अद्वितीय है। लोकमाता अहिल्या महारानी का जन्म 300 वर्ष पूर्व हुआ। उन्होंने एक आदर्श बहू और आदर्श पत्नी रहते हुए शासन चलाया। देवी अहिल्या ने घर के धन और शासन के धन का अंतर बताया। उनके कार्यकाल को देखा जाए तो आज अहिल्या माता के सुशासन के आधार पर ही पूरा शासन तंत्र चल रहा है। मध्यप्रदेश में विगत 500 साल के काल पर नजर डालें तो गोंडवाना की रानी अवंतीबाई ने तीन बार अकबर को धूल चटाई थी। इसी प्रकार रानी दुर्गावती ने भी मुगलों के सामने कभी भी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। ग्वालियर की राजमाता सिंधिया ने भी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर की सुमित्रा ताई को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर प्रदेश का मान बढ़ाया। आज राष्ट्रपति भी एक महिला हैं। अहिल्या देवी की 300वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी सरकार और आतंकवादियों को धूल चटाई। पूरा देश आपका अभिनंदन कर रहा है। जिन आतंकियों ने बहनों का सिंदूर उजाड़ने का काम किया, उन्हें सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में शिखर पर पहुंचेगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री, श्री जगदीश देवड़ा और श्री राजेंद्र शुक्ला, सांसद खजुराहो श्री वी.डी. शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, सूक्ष्म एवं लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा और भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित थी। कार्यक्रम में इंदौर से केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री श्री तोखन साहू तथा प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, दतिया से केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राममोहन नायडू तथा प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एंदल सिंह कंषाना, सतना से केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल तथा प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल वर्चुअली शामिल हुए।

प्रशासन ने 52 क्वार्टर में अवैध रूप से रह रहे लोगों को भेजा नोटिस

सुवासरा, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर के 110 वर्ष पुराने शासकीय 52 क्वार्टर में अवैध रूप से रह रहे शासकीय कर्मचारी के मामले में प्रशासन ने शनिवार को बेदखली करने के नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में लिखा गया है कि आपका निजी आवास होने के बावजूद आप शासकीय आवास का लाभ ले रहे हैं। इसलिए तीन दिवस में इसे खाली करें अन्यथा नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी। प्रशासन ने 45 दिनों बाद इस मामले में नोटिस देने की कार्रवाई की है। लेकिन इसमें भी तहसीलदार की जांच में अवैध रूप से निवास कर रहे 29 कर्मचारियों में से केवल 17 कर्मचारियों को नोटिस जारी हुए हैं। बाकी बचे 12 कर्मचारियों को फिर से प्रशासन ने अभय दान दे दिया है। जब इस संबंध में तहसीलदार मोहित सिनम से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा एसडीएम कार्यालय से यह नोटिस जारी हुए हैं। 29 में से 17 आए बाकी के नोटिस लोगों को क्यों नहीं मिले ये तो वही बता सकते हैं। एसडीएम कार्यालय के बाबू कैलाश चंद सेठिया से जब इस बारे में पूछा गया की 29 में से 17 को ही नोटिस क्यों दिए गए तो उन्होंने कहा की यदि कोई रह गया हैं तो उन्हें भी नोटिस दिए जाएंगे।

मीडिया में मामला उजागर होने के बाद 4 महीने पहले एसडीएम शिवानी गर्ग द्वारा शासकीय 52 क्वार्टर आवास में अवैध रूप से रह रहे शासकीय कर्मचारी के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए थे। लेकिन फिर राजस्व विभाग की सुस्ती के कारण शनिवार को 29 में से 17 शासकीय कर्मचारियों को ही आवास खाली करने की नोटिस जारी किए गए। नोटिस मिलने के बाद अब प्रशासन कि आगामी कार्यवाही महत्वपूर्ण होगी। कार्रवाई के दौरान प्रशासन की जागरूकता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि सीतामऊ एसडीएम कार्यालय से 9 मई को जारी हुए नोटिस 21 दिन बाद शासकीय कर्मचारियों के पास पहुंचे। इतना विलंब प्रशासन ने जानबूझकर किया या फिर एसडीएम के अधीनस्थ कर्मचारी की मंशा करवाई या नोटिस पहचाने कि नहीं थी। एसडीएम यदि स्वयं इस बात का संज्ञान ले तो अधीनस्थ कर्मचारी के द्वारा की जा रही इन आवासों में बंदरबांट का भी खुलासा हो सकता है। विधायक के गृह नगर में भी राजस्व विभाग की मनमानी साफ तौर पर देखी जा सकती है। उन्हें किसी भी प्रकार से शासन और राजनीतिक जनप्रतिनिधियों का कोई भय नहीं है। वह अपनी इच्छा अनुसार और मनमाने तरीके से शासकीय आवासों का आवंटन करते आ रहे हैं। जबकि नियमानुसार पात्र शासकीय कर्मचारियों को ही इन आवासों का लाभ मिलना चाहिए।

तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। 31 मई विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के दिन सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध इंदिरा गाँधी जिला चिकित्सालय में अधिष्ठाता डॉ शशि गांधी मैडम के मार्गदर्शन में सर्जरी विभाग, ई एन टी विभाग, दंत रोग विभाग, अस्थि रोग विभाग ने तम्बाकू से होने वाली बीमारियों के लिए जागरूकता अभियान चलाया। सर्जरी विभाग से डॉ इशांत कुमार चौरसिया, डॉ राकेश दरबार, एवं डॉ अजय पाटीदार ने तम्बाकू से होने वाली बीमारियों के बारे में मरीजों को बताया। ई एन टी विभाग की डॉ. लवी उकावत एवं डॉ कश्मीरा द्वारा मुंह के कैंसर के बारे में बताया। दंत रोग विभाग की डॉ. अनुपमा अहिरवार द्वारा मुख के कम खुलने एवं तम्बाकू से होने वाले मुंह के छालों के बारे में बताया तथा निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी के बारे में जानकारी दी। अस्थि रोग विभाग के डॉ गौरव अखंड एवं डॉ. नयन सिलावट द्वारा तम्बाकू के कारण हड्डियों में होने वाली बीमारी में बताया। सर्जरी एवं एलाइड विभाग के इंटर्न एवं सीनियर रेजिडेंट द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जिसके द्वारा तम्बाकू की लत कैसे लगती है एवं कैसे उससे जिंदगी बर्बाद होती है ये दिखाया। अंत में जिला अस्पताल से डॉ. आर. के. द्विवेदी द्वारा अस्पताल में उपस्थित मरीजों को तम्बाकू के सेवन न करने ओर किसी ओर को भी न करने देने की शपथ दिलाई। सर्जरी एवं एलाइड विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ इशांत कुमार चौरसिया द्वारा मीडिया के सवालों के जवाब दिए गए एवं मीडिया से अपील की वे इस सार्थक प्रयास को जनता में बताए।

सांसद गुप्ता को केन्द्र सरकार ने एक ओर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी....

फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की मप्र कमेटी के चेयरमेन बनाएं गए

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। केन्द्र सरकार द्वारा सांसद सुधीर गुप्ता को एक ओर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौपी गई। सरकार द्वारा सुधीर गुप्ता को फूड कॉरपरेशन ऑफ इंडिया की मध्यप्रदेश कमेटी का चेयरमेन नियुक्त किया गया है। संसदीय कार्य मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर इस नियुक्ति की घोषणा की। संसदीय कार्य मंत्री ने राज्य संघ क्षेत्रों के लिए भारतीय खाद्य निगम की समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए 36 संसद सदस्यों 24 लोकसभा तथा 12 राज्य सभा सदस्यों को नियुक्त किया। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को उत्तराखंड, पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ एवं सांसद रायपुर ब्रजमोहन अग्रवाल को छत्तीसगढ़, चंडीगढ़ में मनीष तिवारी, जम्मू कश्मीर से जुगल किशोर शर्मा, झारखंड में निशिकांत दुबे, केरल पीटी उषा एवं उडीसा में संबित पात्रा को जिम्मेदारी सौपी।

वहीं मध्यप्रदेश में सांसद सुधीर गुप्ता को यह जिम्मेदारी सौपी गई। सरकार द्वारा पूर्व में भी सांसद सुधीर गुप्ता को देश की कई महत्वपूर्ण समितियों का सदस्य एवं प्रभारी बनाया गया है। सरकार द्वारा उन्है लोकसभा आवास समिति, प्राकल्लन समिति, लोकसभा सचेतक सदस्य, लोकसभा चयन समिति, अध्यक्ष भारतीय लोक न्यास दिल्ली, उद्योग संबंधित समिति सदस्य, वाणिज्य एवं उद्योग परामर्शदात्री समिति के सदस्य, के साथ ही संसदीय क्षेत्र के मंदसौर, नीमच व रतलाम जिले की विकास समन्वय एवं निगरानी समिति का अध्यक्ष बनाया गया। साथ ही वे गुजरात सहप्रभारी के रूप में भी संगठन कार्य देख रहे है। सरकार द्वारा उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए फूड कॉरपरेशन ऑफ इंडिया की मध्यप्रदेश कमेटी के चेयरमेन नियुक्त किया गया है। समिति मध्यप्रदेश में खाद्यान्न खरीद और खाद्य उत्पादों की उपलब्धता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इसका कार्य खरीद प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों का अध्ययन करना तथा सरकार को सिफारिशें देना है। इस पर क्षेत्रवासियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों द्वारा उन्है बधाई प्रेशित की। वही सांसद सुधीर गुप्ता ने इस जिम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अध्यक्ष जेपी नडडा एवं केन्द्रीय संगठन का आभार माना।

जिले के सभी 21 मंडलों में देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जन्म जयंती 31 मई 2025 के अवसर पर जिले के सभी 21 भाजपा संगठनात्मक मंडलों में देवी अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्पांजलि कर मनाई गई। जिला मुख्यालय मंदसौर पर भाजपा उत्तर एंव दक्षिण मंडल के सामूहिक कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता की गरिमामय उपस्थिति में माता अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ.सुषमा आर्य, कार्यक्रम जिला संयोजक एंव भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश पालीवाल, कार्यक्रम जिला सह संयोजक एंव महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, मंडल अध्यक्षगण अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार, नपा.अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, भाजपा नेता तेजपाल सिंह धाकडी मंचस्थ रहे। कार्यक्रम प्रारंभ में मंचस्थ अतिथियों का स्वागत मंडल पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सांसद सुधीर गुप्ता ने देवी अहिल्याबाई के सुशासन, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक उत्थान के योगदान को रेखांकित किया और उनकी विरासत को वर्तमान शासन की प्रेरणा बताया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत के इतिहास का सबसे सफल आतंकवाद विरोधी अभियान रहा है, जिसमें बीएसएफ की महिला जवानों ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इसे नारी शक्ति का प्रतीक बताया और कहा कि सिंदूर अब साहस का प्रतीक बन गया है। जिले में समस्त मंडलो में देवी अहिल्याबाई की 300वीं जन्म जयंती मंडल अध्यक्ष गण उमेश पाटीदार, आदित्य मंगरोलिया, गोकुलसिंह चौहान, सीताराम चारण, महेन्द्र पहाडिया, नीलकमल मेहता, दिलीप सिंह तरनोद, जुझार सिंह गुर्जर, धनसुख पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, महेंद्र सिंह गौड़, राजेश धाकड, भेरूलाल सेन, राकेश पाटीदार, आशीष विजयवर्गीय, विकास सुराणा, गोपाल पाटीदार, नेपाल सिंह सिसोदिया ने भी अपने-अपने मंडलो पदाधिकारी गण, कार्यकर्ता गण एंव मातृशक्ति के साथ मनाई। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

दशोरा प्रश्नोरा नागर समाज ने कुलदेवी पूजन में मुख्यमंत्री को किया आमंत्रित, कल होगा आयोजन

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय दशोरा प्रश्नोरा नागर समाज मंदसौर कुलदेवी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री दिनेश दशोरा कुलदेवी पूजन समिति के अध्यक्ष श्री दामोदर दास सुगंधी के नेतृत्व में समाज का प्रतिनिधि मंडल माननीय मुख्यमंत्री डॉ श्री मोहन यादव के भोपाल स्थित निवास पर कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में पधारने हेतु आमंत्रित करने हेतु भेंट की।

प्रतिनिधि मंडल में अन्य साथी श्री आनंद दशोरा उज्जैन श्री अंकुर सत्संगी श्री मयंक सुगंधी इंदौर भोपाल मंडल अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता एवं श्री कैलाश दशोरे, मंदसौर प्रवक्ता जयेश नागर साथ रहे। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 2 जून 2025 को कुलदेवी पूजन के कार्यक्रम पधारने हेतु अनुरोध किया गया जो उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। साथ ही दशोरा समाज के इतिहास की जानकारी को 15 मिनट तक काफी रुचिपूर्वक सुना। 2 जून को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव , अध्यक्षता स्थानीय सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विशिष्ट अतिथि बोर्ड ऑफ ट्रेड सदस्य वाणिज्य मंत्रालय भारत सरकार श्री उल्लास वैद्य, विशेष अतिथि जिला जज श्री कपिल मेहता होंगे।

विधि महाविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ, अंतिम दिनांक 6 जून

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मन्दसौर में विधि पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। प्राचार्य डॉ. विनोद पाटीदार द्वारा यह जानकारी देते हुए बताया गया कि, सत्र 2025-26 में महाविद्यालय में बीए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय, एलएल.बी. त्रिवर्षीय एवं एलएल.एम द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार प्रथम चरण ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 06.06.2025 नियत की गई हैं। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन की अंतिम दिनांक 07.06.2025 एवं प्रथम चरण के सीट आवंटन जारी करने की दिनांक 12.06.2025 नियत की गई हैं। और अधिक जानकारी के लिए आवेदक महाविद्यालय में स्थापित छात्र सहायता केन्द्र से कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता हैं।

गांधीसागर अभ्यारण्य को अपना नया घर बनाने के बाद चीतों को रास आ रही नीलगाय, हर दूसरे दिन कर रहे शिकार

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। गांधीसागर अभयारण्य में हाल ही में स्थानांतरित किए गए चीतों ने यहां के जंगलों को न सिर्फ अपनाया है, बल्कि यहां के वन्यजीवों खासकर नीलगायों को अपने शिकार के लिए पसंद भी किया है।अभयारण्य के अधिकारियों के अनुसार, ये चीते औसतन हर दूसरे दिन नीलगाय या अन्य शिकार को पकड रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और अनुकूलन की स्थिति मजबूत होती दिख रही है।

चीतों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव-कुनो नेशनल पार्क से स्थानांतरित किए गए इन चीतों के लिए गांधीसागर अभयारण्य एक उपयुक्त आवास साबित हो रहा है। शुरुआत में चिंता थी कि क्या वे नए वातावरण में खुद को ढाल पाएंगे, लेकिन अब ये चीते न केवल जंगल में सक्रिय रूप से घूम रहे हैं, बल्कि खुले मैदानों में शिकार भी कर रहे हैं। वन अधिकारियों के अनुसार, चीतों की शिकार करने की यह नियमितता इस बात का प्रमाण है कि उन्हें पर्याप्त भोजन मिल रहा है और वे अपने नए परिवेश में पूरी तरह सहज हो चुके हैं। वन मंडलाधिकारी मंदसौर संजय रायखेरे के अनुसार अभयारण्य में नीलगायों की संख्या अच्छी-खासी है, और चीतों ने उन्हें अपनी प्राथमिक शिकार सूची में रख लिया है। यह एक सकारात्मक संकेत है कि वे बिना किसी बाहरी सहायता के जंगल में खुद को स्थापित कर रहे हैं।

शिकार की रणनीति और गतिविधियाँ-ट्रैकिंग कॉलर और कैमरा ट्रैप की मदद से वन विभाग लगातार चीतों की गतिविधियों पर नज़र रख रहा है। प्राप्त आंकडों से पता चला है कि चीते अक्सर तड़के सुबह या देर शाम शिकार करते हैं। नीलगायें, जो खुले घास के मैदानों में चरती हैं, चीतों के लिए आसान शिकार साबित हो रही हैं। इसके अलावा, कुछ मौकों पर चीतों ने चीतल और चिंकारा को भी निशाना बनाया है।

प्रोजेक्ट चीता की दिशा में एक और सफलता-भारत में विलुप्त हो चुके चीतों को फिर से बसाने के लिए शुरू किए गए प्रोजेक्ट चीता को गांधीसागर में सफलता मिलती दिख रही है। कुनो के बाद गांधीसागर दूसरा ऐसा अभयारण्य बन गया है, जहां चीते प्राकृतिक रूप से शिकार कर रहे हैं और जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं।

बालिकाओं ने करियर मार्गदर्शन सत्र एवं कॉलेज भ्रमण किया

मंदसौर, 31 मई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस मुख्यालय, भोपाल के मार्गदर्शन एवं सहयोग से मंदसौर जिला पुलिस एवं उड़ान संस्था द्वारा नूतन हाई स्कूल में किशोर बालक-बालिकाओं हेतु 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 19 मई से 2 जून 2025 तक किया जा रहाहै।यह शिविर 'सृजन यूथ कनेक्ट कार्यक्रम' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जो मध्यप्रदेश की सामुदायिक पुलिसिंग व्यवस्था की एक अभिनव पहल है।इस शिविर का उद्देश्य किशोरों को आत्मरक्षा, कानून की समझ, जीवन कौशल एवं जेंडर-संवेदनशीलता, शिक्षा का महत्व बाल विवाह स्वास्थ्य संबंधित जानकारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित कर सशक्त बनाना है।शिविर में इंडोर एवं आउटडोर दोनों गतिविधियाँ सम्मिलित हैं, जिनमें जुम्बा, मार्शल आर्ट, योगा, पीटी, तथा आत्मरक्षा के व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ-साथ साइबर क्राइम, अधिनियम, ट्रैफिक नियम, नशामुक्ति, महिला एवं बाल अधिकार, और शिक्षा के महत्व की जानकारी दी जा रही है, इसी कड़ी में दिनाक 31/05/2025 को बचो ने पोलिटेकनिक कॉलेज में भ्रमण कर करियर मार्गदर्शन सत्र लिया और कॉलेज का भ्रमण किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को विभिन्न करियर विकल्पों से अवगत कराना और उन्हें अपने भविष्य के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिलीप शर्मा, विभागीय अध्यक्ष श्री क्षितिज पाठक, और श्री अभिनव मालवीय ने बच्चों को विभिन्न विभागों और पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को यह बताया कि किस प्रकार वे अपनी रुचियों और क्षमताओं के आधार पर उपयुक्त करियर विकल्प चुन सकते हैं, वहां की सुविधाओं और पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण ने बच्चों को अपने भविष्य के लिए सही दिशा चुनने में मदद मिली। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उड़ान संस्था के प्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर उड़ान संस्था की टीम से संगीता कुम्भकार,कुलदीप घावरी, कंचन वानखडे, शबाना बी, अजय धनगर, सुनीता मालवीय, अनीता निनामा, वंदना दाहिमा और संजना चौहान उपस्थित रहे और बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

✻ नाम परिवर्तन ✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ज़ैनब धानवाला पिता आबेदीन धानवाला मेरी पुरानी पासपोर्ट में पहला नाम ज़ैनब धानवाला लिखा हुआ है। जबकि ज़ैनब मेरा पहला नाम है और धानवाला उपनाम है। भविष्य में मुझे ज़ैनब के नाम से और धानवाला के उपनाम से जाना एवं पहचाना जाएं।

पता-मकान नं. 18, गौतम नगर रोड नं. 03, मंदसौर (म.प्र.)458001

मंदसौर से अहमदाबाद

एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे

(व्हाया-नीमच, उदयपुर)

जय श्री गणेश ट्रेवल्स

स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर

मो-9407259243, 8871603134

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in